वाणिज्य-शिक्षण हेतु पाठ्यक्रम सहगामी क्रियायें

[CO-CURRICULAR ACTIVITIES FOR COMMERCE TEACHING]

पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं का अर्थ एवं परिभाषा

[MEANING OF CO-CURRICULAR ACTIVITIES]

पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं से अभिप्राय उन क्रिया-कलापों से है, जो छात्र के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास करने तथा शिक्षा के पूर्व-निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता देती है। इस सम्बन्ध में **प्रो० पठान** ने इन क्रियाओं को परिभाषित करते हुये लिखा है, "पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं से तात्पर्य उन छात्र-क्रियाओं से है, जिनमें छात्र अध्यापक के मार्गदर्शन में कुछ उत्तरदायित्वों को सुनियोजित विधि से सम्पन्न करने के लिये भाग लेते हैं।"

"Co-curricular activities constitute, significant component of a programme of student activities in which the students participate under the guidance of the teacher, assuming the responsibilities for planning their activities." —***Prof. Pathan***

सहगामी क्रियाओं का महत्व

(Importance of Co-curricular Activities)

विद्यालय में पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं को अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इन क्रियाओं के महत्व को नीचे लिखे बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है—

(अ) छात्रों के लिये—(1) मूलप्रवृत्तियों का शोधन तथा मार्गान्तरीकरण करती हैं।

(2) सामाजिक भावना का विकास करती हैं।

(3) नागरिकता की शिक्षा प्रदान करती हैं।

(4) अवकाश के समय का सदुपयोग करना सिखाती हैं।

(5) व्यक्तित्व तथा अन्तर्निहित शक्तियों का विकास करती हैं।

(6) नैतिकता का विकास करती हैं।

(7) अनुशासन-स्थापना में सहायक होती हैं।

Scanned by TapScanner

(8) मानवीय गुणों का विकास करती है।

(9) मनोरंजन के स्वस्थ साधन जुटाती है।

(10) व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है।

(ब) विद्यालय के लिये—(1) शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती है।

(2) विद्यालय के वातावरण को आकर्षक तथा ओजपूर्ण बनाती है।

(3) विद्यालय को समाज के निकट लाती है।

(4) शिक्षण को सरस तथा प्रभावी बनाती है।

(5) छात्रों की अन्तर्निहित शक्तियों की पहचान करने में सहायक होती है।

(स) समाज एवं राष्ट्र के लिये—(1) समाज को सभ्यता एवं संस्कृति की शिक्षा देती है।

(2) सामाजिक मूल्यों का विकास करती है।

(3) देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाती है।

(4) जागरूकता तथा सजगता का पाठ पढ़ाती है।

(5) प्रजातंत्रात्मक मूल्यों का विकास करती है।

(6) नेतृत्व गुणों का विकास कर समाज व राष्ट्र को कुशल नेता प्रदान करती है।

सहगामी क्रियाओं के प्रकार—किसी विद्यालय में अनेकानेक पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं का विकास किया जा सकता है। इन सभी प्रकार की क्रियाओं को निम्नांकित वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

(1) शैक्षिक क्रियायें—साहित्य परिषद्, विज्ञान-कला क्लब, भूगोल परिषद्, वाणिज्य-परिषद् आदि।

(2) शारीरिक क्रियायें—सामूहिक खेल, परेड, ड्रिल, तैरना, साईकिल चलाना, नाव चलाना, एन० सी० सी० आदि।

(3) साहित्यिक क्रियायें—साहित्य सभा, वाद-विवाद परिषद्, पत्रिका-प्रकाशन, बुलेटिन बोर्ड, दीवार-पत्रिका आदि।

(4) नागरिकता प्रशिक्षण सम्बन्धी क्रियायें—सहकारी भण्डार, बाल-बैंक, श्रमदान, बाल-सभा, स्वशासन, संसद आदि।

(5) संगीत तथा कला क्रियायें—संगीत-गोष्ठी, कवि-सम्मेलन, चित्रकला-प्रतियोगिता, विद्यालय-बैण्ड, नृत्य आदि।

(6) शिल्प-कला क्रियायें—सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, मेंहदी रचना, खिलौना बनाना, जिल्दसाज़ी, रेडियो बनाना या अन्य सामान्य उपकरण बनाना, मोमबत्ती बनाना, साबुन बनाना आदि।

Scanned by TapScanner

(7) सामान्य क्रियायें—भ्रमण, पिकनिक, ग्राम्य-पर्यवेक्षण, बालचर, स्काउटिंग, प्रौढ़-शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा आदि।

(8) अन्य क्रियायें—टिकट या सिक्के संग्रह, फोटोग्राफी, एलबम बनाना, संग्रहालय बनाना, सफाई एवं स्वच्छता अभियान आदि।

Scanned by TapScanner